प्रेस विज्ञप्ति

अखिल भारतीय गीता महासम्मेलन का सुभारम्भ

गीता हमें सत्य-स्वरूप का बोध कराती है-स्वामी ओम् गिरी जी महाराज

गीता एक आध्यात्मिक ग्रन्थ है-स्वामी विवेकानन्द जी महाराज

गीता हमारे जीवन से नज़र आनी चाहिए-दादी जानकी जी

10 दिसम्बर 2018, गुरूग्राम

गीता में वर्णित युद्ध वास्तव में मानव के अन्दर चलने वाले द्वन्द का प्रतीक है। उक्त विचार श्रीकृष्णा आश्रम हरिद्वार से पधारे स्वामी हरि ओम् गिरी जी महाराज ने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में व्यक्त किये। तीन दिवसीय अखिल भारतीय गीता महासम्मेलन में बोलते हुए स्वामी जी ने कहा कि गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। गीता मानव को उसके सत्य स्वरूप का बोध कराती है।

सिद्धपीठ श्री मंगला काली मंदिर, हरिद्वार से आये स्वामी विवेकानन्द जी ने अपने संबोधन में कहा कि गीता का उद्देश्य हमें आध्यात्म के शिखर पर ले जाना है। उन्होंने कहा कि गीता एक आध्यात्मिक ग्रन्थ है। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक जगत में मानव उसे ही सत्य मानता है जो उसे दिखाई देता है। जो दिखाई नहीं देता उसे स्वीकार नहीं करता। लेकिन गीता हमें उस सत्य से अवगत कराती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा ही सत्य है और सत्य ही शिव है।

ऋषिकेश से पधारे स्वामी श्री ईश्वरदास जी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था वास्तव में गीता को जीवन में उतारने का एक बेहतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर विशेष रूप से ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी ने अपने आर्शीवचन में कहा कि गीता पढ़ना और सुनना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन गीता को जीवन में लाना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने जीवन को गुणों से भर देते हैं तो हमारा जीवन ही गीता बन जाता है। 103 वर्षीय दादी जी ने कहा कि गीता की सभी शिक्षाओं को मैंने सम्पूर्ण रूप से अपने जीवन में उतारा है। उन्होंने कहा कि मैं गीता नहीं पढ़ती लेकिन मेरे जीवन से सभी को गीता नज़र आती है।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने अपने वक्तव्य से सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आध्यात्मिक सत्ता ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक सत्ता के कारण ही आज तक भारत विश्व गुरू कहलाता है। भारत देवभूमि है लेकिन आज उन देवी मूल्यों का ह्रास होने के कारण हम अपनी उस महान संस्कृति को भूल चुके हैं। आध्यात्मिक शक्ति के आधार से हम उन मूल्यों को जीवन में धारण कर महान देवी संस्कृति की स्थापना कर सकते हैं।

संस्था के अतिरिक्त महासचिव बी.के. बृजमोहन ने गीता महासम्मेलन के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि गीताज्ञान की वास्तविकता को लोगों के सामने लाना ही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि गीताज्ञान से ही भारत में आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना हुई थी। लेकिन आज हम देवी संस्कृति को भूलकर अपने को हिन्दू कहलाते हैं। उन्होंने कहा कि गीताज्ञान परमात्मा ने किसी हिंसा के लिए नहीं बल्कि श्रेष्ठ धर्म की स्थापना के लिए दिया। और धर्म का मूल तो अहिंसा है।

माउन्ट आबू से पधारी बी.के.उषा ने कहा कि किसी भी शरीरधारी को परमात्मा नहीं कह सकते। परमात्मा को हम सत्य अथवा अविनाशी कहते हैं जबकि शरीर तो विनाशी है। इसलिए गीता का ज्ञान स्वयं परमात्मा शिव ने दिया। शिव को ही हम सत्यम शिवम सुन्दरम कहते हैं।

कार्यक्रम में शिवयोगी धाम हरिद्वार से स्वामी शिव योगी जी महाराज, कुरूक्षेत्र से डा. एस.एम.मिश्रा, हैदराबाद से स्वामी गोपाल कृष्णानंद जी, जस्टिस वी. ईश्वरैया, बी.के.त्रीनाथ, डा. पुष्पा पाण्डे,

बी.के. वीना आदि अनेक विद्वान वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन बी.के.मनोरमा ने किया।

फोटो कैप्शन:- 1. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए दादी जानकी जी, स्वामी विवेकानन्द जी महाराज, स्वामी ईश्वरदास जी महाराज, बी.के.आशा, बी.के. बृजमोहन, डा.एस.एम.मिश्रा, बी.के. मनोरमा एवं अन्य।

2 ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हूए दादी जानकी जी

3. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए स्वामी हरि ओम् जी महाराज

4. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए स्वामी विवेकानन्द जी महाराज

5. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए स्वामी ईश्वरदास जी महाराज

6. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए बी.के. बृजमोहन

7. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए बी.के.आशा

8. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए डा.एस.एम.मिश्रा

9. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में बोलते हुए बी.के. वीना

10. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में मंचासीन वक्तागण

11. ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओआरसी में गीता महासम्मेलन में उपस्थित मेहमान